भारत - बेनिन संबंध

राजनीतिक संबंध

लोकतंत्र एवं धर्मनिरपेक्षता के साझे सिद्धांतों की वजह से बेनिन एवं के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार करते हैं। बेनिन सरकार ने विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए अपने समर्थन को दोहराया है।

2. भारत - बेनिन संबंधों में विकास एवं विस्तार के वर्तमान चरण का अंदाजा 5 कैबिनेट मंत्रियों तथा मैडम चांटल यायी के साथ राष्ट्रपति बोनी यायी द्वारा 3 से 7 मार्च, 2009 के दौरान भारत की राजकीय यात्रा से लगाया जा सकता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के साथ शिष्टमंडल स्तरीय बैठक के अलावा राष्ट्रपति बोनी यायी ने हमारे राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति एवं विदेश मंत्री के साथ भी बैठकें की। प्रधानमंत्री जी ने बैठक के दौरान बेनिन के लिए 15 मिलियन डालर के ऋण की घोषणा की। स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्रों में परस्पर ढंग से अभिचिह्नित परियोजनाओं के लिए तथा एक आई टी उत्कृष्टता केन्द्र एवं एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केन्द्र (दोनों अनुदान के आधार पर) स्थापित करने के लिए एक एक मिलियन अमरीकी डालर के दो अनुदान पर भी सहमति हुई। इस यात्रा के दौरान बेनिन के साथ पांच द्विपक्षीय करार किए गए। [(क) भारत गणराज्य के विदेश मंत्रालय तथा बेनिन गणराज्य के विदेश मामले एवं अफ्रीकी एकीकरण मंत्रालय के बीच परामर्श के लिए प्रोटोकॉल; (ख) (ख) भारत - बेनिन राजनीतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सांस्कृतिक सहयोग संयुक्त समिति के सृजन के लिए भारत गणराज्य की सरकार तथा बेनिन गणराज्य की सरकार के बीच करार; (ग) बेनिन गणराज्य में एक सूचना प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केन्द्र (सी ई टी आई) की स्थापना के लिए भारत गणराज्य की सरकार तथा बेनिन गणराज्य की सरकार के बीच एम ओ यू; (घ) बेनिन गणराज्य की सरकार तथा राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, नई दिल्ली, भारत के बीच समझौता ज्ञापन; और (ड.) राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, भारत तथा बेनिन गणराज्य की सरकार के बीच परस्पर सहयोग पर करार]। अपनी आधिकारिक बातचीत के दौरान राष्ट्रपति यायी ने अफ्रीका के लिए भारत की सहायता की प्रशंसा की तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी के लिए तथा आतंकवाद के खिलाफ इसके समर्थन में अपना पूरा समर्थन प्रदान किया। राष्ट्रपति जी के आधिकारिक शिष्टमंडल के साथ बेनिन के कारोबारियों का एक समूह भी आया था।

3. विदेश राज्य मंत्री डॉ शशि थरूर ने 21 से 23 अक्टूबर, 2009 के दौरान बेनिन गणराज्य का आधिकारिक दौरा किया तथा राजनीतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सांस्कृतिक सहयोग पर भारत - बेनिन संयुक्त आयोग की पहली बैठक कोटोनाऊ में हुई।

4. जे सी एम द्वारा द्विपक्षीय संबंधों के सभी क्षेत्रों की समीक्षा की गई तथा द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा हुई। श्री इहोजोऊ तथा राज्य मंत्री (एस टी) ने वर्ष 2010-12 के लिए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। किया। राज्य मंत्री (एस टी) ने महामहिम राष्ट्रपति डॉ बोनी यायी से शिष्टाचार मुलाकात की तथा बताया कि भारत सरकार हमारे परस्पर लाभप्रद द्विपक्षीय सहयोग को और सुदृढ़ करने एवं इसमें विविधता लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इंडियन इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बेनिन का भी उद्घाटन किया तथा भारत के एक लोकोमोटिव द्वारा चलने वाली पहली मालगाड़ी को झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्य मंत्री (एस टी) के साथ एक 18 सदस्यीय बहु क्षेत्रक कारोबार शिष्टमंडल भी गया था जिसे सी आई आई द्वारा प्रायोजित किया गया। अपनी यात्रा के दौरान राज्य मंत्री (एस टी) ने बेनिन के चैंबर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक व्यवसाय दर व्यवसाय कार्यक्रम को भी संबोधित किया।

5. प्रधानमंत्री के विशेष दूत प्रो. राम शंकर कठारिया, राज्य मंत्री (मानव संसाधन विकास) ने 26 से 30 अक्टूबर, 2015 तक आयोजित होने वाले भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक (आई ए एफ एस III) में भाग लेने के लिए बेनिन के राष्ट्रपति को निजी तौर पर निमंत्रण पत्र सौंपने के लिए 14 एवं 15 सितंबर, 2015 को कोटोनाऊ, बेनिन का दौरा किया। यात्रा के दौरान माननीय मंत्री ने बेनिन के राष्ट्रपति बोनी यायी एवं विदेश मंत्री सैलिओऊ अकादिरी से मुलाकात की।

6. बेनिन के राष्ट्रपति बोनी यायी ने भारत - अफ्रीका मंच की तीसरी शिखर बैठक के लिए 26 से 30 अक्टूबर, 2015 के दौरान नई दिल्ली, भारत का दौरा किया। शिखर स्तरीय बैठक के अलावा, पी एम बी ने माननीय प्रधानमंत्री से मुलाकात की। बेनिन के राष्ट्रपति के साथ 27 सदस्यीय शिष्टमंडल आया था जिसमें विदेश मंत्री श्री सैलिओऊ अकादिरी; उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री पोकौन दमे कोम्बीदोऊ तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

7. बेनिन के एक कारोबारी शिष्टमंडल ने 9 से 11 मार्च 2014 के दौरान नई दिल्ली में भारत - अफ्रीका परियोजना साझेदारी पर आयोजित 10वीं सी आई आई - एग्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लिया। 23 अक्टूबर 2015 को नई दिल्ली में भारत - अफ्रीका व्यापार मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए बेनिन के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री पोकौन दमे कोम्बीदोऊ भारत का दौरा किया। अन्य महत्वपूर्ण यात्राओं के बारे में जानकारी अनुबंध में दी गई है।

8. विदेश कार्यालय परामर्श : बेनिन के विदेश सचिव ने विदेश कार्यालय परामर्श के दूसरे चक्र के लिए अप्रैल 2005 में नई दिल्ली का दौरा किया था। इससे पहले श्री शाशक, सचिव, विदेश मंत्रालय ने विदेश कार्यालय परामर्श के पहले चक्र के लिए अगस्त 2003 में कोटोनाऊ का दौरा किया था।

ऋण की सुविधाएं

9. मार्च 2009 में राष्ट्रपति बोनी यायी की नई दिल्ली की यात्रा के दौरान भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा कृषि उपकरण के लिए 15 मिलियन डालर के ऋण की घोषणा की गई जिसका अब पूरी तरह उपयोग हो गया है। स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से अभिचिह्नित परियोजनाओं के लिए एक एक मिलियन डालर के दो अनुदानों का भी उपयोग कर लिया गया है। भारतीय अनुदानों से एक आई टी उत्कृष्टता केन्द्र तथा एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केन्द्र की स्थापना की जानी है। बेनिन टीम - 9 में शामिल होने तथा इकोवास को 250 मिलियन डालर के हमारे ऋण का लाभ लेने का इच्छुक है। इकोवास के लिए ऋण से बेनिन पहले ही ग्रामीण विकास की परियोजना के लिए 15 मिलियन डालर की ऋण सुविधा प्राप्त कर चुका है।

10. भारत बेनिन को 2009-10 में 100 - 100 ट्रैक्टर, जुलाई 2010 में 4 ए सी टाटा बस तथा फरवरी 2011 में 60 एंबुलेंस दान में दे चुका है। ट्रैक्टर तथा कृषि मशीनरी असेंबली प्लांट के लिए 15 मिलियन डालर का एक अन्य ऋण मई 2012 में अनुमोदित किया गया है। बेनिन के 69 गांवों में जलापूर्ति की स्कीमों के उन्नयन के लिए मई 2013 में 42.61 मिलियन अमरीकी डालर के समतुल्य एक अन्य ऋण को भी अनुमोदित किया गया है। बेनिन अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क में शामिल हो गया है।

11. भारत के 2 कपास विशेषज्ञों ने भारत सरकार के एक कार्यक्रम के तहत 22 नवंबर से 1 दिसंबर 2010 के दौरान कोटोनाऊ का दौरा किया। बेनिन के लिए भारत सरकार के 3 वर्षीय तकनीकी सहायता कार्यक्रम (2012-14) की घोषणा करने के लिए एक पांच सदस्यीय कपास शिष्टमंडल ने मई, 2012 में कोटोनाऊ का दौरा किया। भारत सरकार ने दिसंबर 2010 में बाढ़ राहत के लिए नकद रूप में आधा मिलियन अमरीकी डालर का दान दिया। भारत में बेनिन के पहले रेजीडेंट राजदूत श्री आंद्रे सानरा ने 18 अक्टूबर 2010 को भारत के राष्ट्रपति को अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत किया।

वाणिज्यिक एवं व्यापार संबंध :

12. द्विपक्षीय व्यापार **:** वर्ष 2014-15 के दौरान बेनिन के साथ द्विपक्षीय व्यापार 720 मिलियन अमरीकी डॉलर था, जो पिछले साल में रिकार्ड किए गए 932 मिलियन अमरीकी डॉलर से 22 प्रतिशत कम है। भारत का निर्यात 2013-14 में 764 मिलियन अमरीकी डॉलर से घटकर 2014-15 में 498 मिलियन अमरीकी डॉलर रह गया, जबकि भारत का आयात 2013-14 में 167 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2014-15 में 222 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। बेनिन को होने वाले हमारे निर्यात में उतार - चढ़ाव का मुख्य कारण यह है कि बेनिन में जो वैश्विक आयात होता है उसका लगभग 80 प्रतिशत नाइजीरिया के बाजार के लिए होता है। यदि नाइजीरिया को सीधे निर्यात करना संभव एवं लाभप्रद होता, तो भारतीय निर्यातक इस रूट को पसंद करते।

तथापि यदि विभिन्न कारणों (गैर टैरिफ बाधाएं जैसे कि नाइजीरिया के बंदरगाहों पर भीड़भाड़, असुरक्षा, आयात पर प्रतिबंध या अधिक टैरिफ आदि) से यह लाभप्रद न हो तो बेनिन रूट का प्रयोग किया जाता है।

भारत - बेनिन द्विपक्षीय व्यापार की सांख्यिकी (मिलियन अमरीकी डालर में मूल्य)

	2010-11	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**
भारत का निर्यात	264.43 (+19 प्रतिशत)	655 (+148 प्रतिशत)	479 (-7 प्रतिशत)	763.98 (+59 प्रतिशत)	498.00 (-34 प्रतिशत)
भारत का आयात	153.43 (+24 प्रतिशत)	286 (+86 प्रतिशत)	253 (-11 प्रतिशत)	167.6 (-33 प्रतिशत)	222.11 (-32 प्रतिशत)

संस्कृति एवं शिक्षा

13. **आई टी ई सी :** वर्ष 2007-08 तक भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत बेनिन को पांच सीटें आवंटित की गई थीं। 2008 में पहली भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक के बाद सीटों की संख्या बढ़ाकर 10 कर दी गई, जिसमें से 2009-10 के दौरान 7 सीटों का उपयोग किया गया। वर्ष 2010-11 के दौरान स्लॉट की संख्या बढ़ाकर 15 कर दी गई, जिसमें से 10 का उपयोग किया गया। दूसरी अफ्रीका - भारत मंच शिखर बैठक के बाद वर्ष 2012-13 के लिए बेनिन के आई टी ई सी कोटा को बढ़ाकर 30 कर दिया गया जिसमें से 19 स्लाटों का उपयोग किया गया। 2013-14 में 30 स्लॉटों में से 12 स्लॉटों का उपयोग किया गया है तथा 2014-15 में भी यही स्थिति है। मुख्य रूप से भाषा संबंधी अड़चनों की वजह से बेनिन के मामले में उपयोग अधितम नहीं है। इसके बावजूद 2015-16 के लिए 30 स्लॉट रखे गए हैं।

14. **सांस्कृतिक मंडलियां :** केरल से एक 15 सदस्यीय थेय्यम डांस ग्रुप ने 2 दिसंबर, 2011 को बेनिन का दौरा किया तथा गणमान्य हस्तियों, राजनयिकों तथा भारतीय समुदाय के समक्ष कोटोनाऊ स्थित पालाइस डे कांग्रेस में अपना नृत्य प्रस्तुत किया।

भारतीय समुदाय

15. ऐसा अनुमान है कि बेनिन में भारतीय समुदाय के 1860 व्यक्ति रहते हैं। लगभग 230 भारतीय कंपनियां, जो मुख्य रूप से ट्रेडिंग का काम करती हैं, तथा लगभग 165 फुटकर दुकानें बेनिन में हैं जो कपड़ा, चावल, काजू, स्क्रैप, इलेक्ट्रानिक्स एवं सुपर मार्केट से संबंधित काम करती हैं। पश्चिम अफ्रीका चावल विकास केन्द्र (डब्ल्यू ए आर डी ए) में एक दर्जन भारतीय विशेषज्ञ काम कर रहे हैं। इस देश में भारतीय समुदाय का आमतौर पर सम्मान किया जाता है तथा यह विभिन्न सामाजिक - आर्थिक धर्मस्व गतिविधियों में लगा हुआ है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य देखरेख, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति शामिल है। स्थानीय ग्रामीण बच्चों के

लिए एक स्कूल खोला गया है तथा उसका संचालन भारतीय समुदाय द्वारा किया जा रहा है। सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के लिए कोटोनाऊ में एक भारतीय सांस्कृतिक संगठन तथा एक हिंदू मंदिर भी है। भारतीय समुदाय ने मई, 2008 में कोटोनाऊ में इंडियन इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बेनिन की भी स्थापना की है। अक्टूबर, 2011 में इस स्कूल को सी बी एस ई से संबंद्ध किया गया तथा इस समय यहां 120 से अधिक छात्र हैं।

16. कोटोनाऊ, बेनिन में भारत का कोई रेजीडेंट राजनयिक मिशन नहीं है। नाइजीरिया में भारत के उच्चायुक्त को समवर्ती रूप से बेनिन का भी काम सौंपा जाता है। भारत सरकार ने एक स्थानीय भारतीय श्री अशोक आर मीरचंदानी को बेनिन में अपने अवैतनिक कौंसुल के रूप में नियुक्त किया है। नई दिल्ली में बेनिन का रेजीडेंट मिशन सितंबर 2010 से काम कर रहा है।

हवाई संपर्क :

17. बेनिन और भारत के बीच कोई सीधा हवाई संपर्क नहीं है। सुविधाजनक विकल्प इस प्रकार हैं : वाया लागोस (जो कोटोनाऊ से सड़क मार्ग से 3 घंटे का रास्ता है); और वाया पेरिस (जो कोटोनाऊ से एक दैनिक उड़ान से जुड़ा है)।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, अबुजा की वेबसाइट :
http://hcindia-abuja.org/index.php

*****

जनवरी, 2016